हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

पाठ्यक्रम

स्नातक प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र – निबन्ध, नाटक तथा नवीन गद्य विधाएँ **– कुल अक 100**

प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हागे

(क) 03 व्याख्या = 10 x 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 x 3 = 45 (लगभग 600 शब्दा मे)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 x 3 = 25 (लगभग 10 शब्दो म)

मूल पाठ – (1) नाटक – ध्रुवस्वामिनी – जयशकर प्रसाद
(2) निवन्ध – साहित्य के दृष्टिकाण
सम्पादक – प्रो चित्तरजन मिश्र
– डॉ दीपक प्रकाश त्यागी
(3) एकाकी – रगमप्तक – स प्रा पूर्णिमा सत्यदव, प्रो रामदरश राय

दुत पाठ – लघु गद्य विधाए – स गद्य विविधा – स डॉ कमलेश कुमार गुप्त,
– डॉ प्रेमशीला शुक्ल

नोट – व्याख्या एव दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ स तथा लघु उत्तरीय पश्न द्रुतपाठ स पूछे जाएग।

द्वितीय प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य **– कुल अक 100**

(क) 03 व्याख्या = 10 x 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 x 3 = 45 (लगभग 600 शब्दा म)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 x 3 = 25 (लगभग 10 शब्दा म)

मूल पाठ – काव्य–शिखर – स प्रो सदानन्द प्रसाद गुप्त, प्रा गणश प्रसाद पाण्डेय
द्रुत पाठ – काव्य किसलय – स प्रो मजु त्रिपाठी, डॉ प्रभा सिह

नोट – व्याख्या एव दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ स तथा लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ स पूछे जाएग।

स्नातक द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र – हिन्दी कथा साहित्य **– कुल अंक 100**

(क) 03 व्याख्या = 10 x 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 x 3 = 45 (लगभग 600 शब्दो में)
(ग) 03 लघु उन्तरीय प्रश्न = 05 x 3 = 25 (लगभग 10 शब्दो म)

मूल पाठ – उपन्यास – कर्मभूमि (प्रेमचन्द)
मानस का हस (अमृतलाल नागर) – सक्षिप्त सस्करण
कथास्वर – स प्रो सुरेन्द्र दुबे, प्रो अनिल कुमार राय

द्रुत पाठ – सात कहानिया – स डॉ विमलेश मिश्र, डॉ रामनरेश दुवे

नोट – व्याख्या एव दीर्घ उत्तरीय पश्न मूल पाठ से तथा लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ से पूछे जाएग।

द्वितीय प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास और निबन्ध लेखन – कुल अंक 100

(क) 01 निबन्ध = 1 x 30 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (इतिहास से) = 3 x 20 = 60
(ग) 02 टिप्पणी (इतिहास से) = 2 x 5 = 10

नोट – निबन्ध साहित्यिक विषय से सम्बन्धित होगे। निबन्ध और टिप्पणी से सम्बन्धित प्रश्न अनिवार्य होगे।

स्नातक तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र – मध्ययुगीन कविता – कुल अक 100

(क) 03 व्याख्या = 10 x 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 x 3 = 45 (लगभग 600 शब्दो मे)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 x 3 = 25 (लगभग 10 शब्दो म)

मूल पाठ – मध्यकालीन काव्य, स डॉ प्रेमव्रत तिवारी, डॉ रामनरश मिश्र

द्रुत पाठ – मध्यकालीन काव्य विविधा स – प्रा जनार्दन
– डॉ मानवेन्द्र मिश्र

नोट – व्याख्या एव दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से तथा लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ स पूछे जाएगे।

द्वितीय प्रश्न पत्र – साहित्यशास्त्र एव हिन्दी आलोचना – कुल अक 100

इस प्रश्नपत्र म तीन खण्ड हागे। अक विभाजन इस प्रकार हे–
(क) भारतीय काव्य शास्त्र = 2 x 20 = 40
(ख) पाश्चात्य काव्य शास्त्र = 2 x 20 = 40
(ग) हिन्दी आलाचना = 1 x 20 = 20

पाठ्यक्रम–

(क) **भारतीय काव्यशास्त्र** – काव्य का स्वरूप, प्रयोजन एव भेद, रस–स्वरूप, अवयव, भद, अलकार का स्वरूप, महत्व, काव्य–गुण, काव्य दाष–शब्द दोष (क्लिष्टत्व, च्युत सस्कृति) पद दोष–(न्यून पदत्व, अधिक पदत्व), अर्थ दोष, (सदिग्धत्व, दुष्क्रमत्व, दूरान्वय), रस दाष, शब्द शक्तियॉ।

(ख) **पाश्चायत्य काव्यशास्त्र**– अनुकृति सिद्धान्त, शास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, रूपवाद, नयी समीक्षा, कल्पना, बिम्ब, प्रतीक, मिथक, फटेसी।

(ग) **हिन्दी आलोचना** – आलाचना का स्वरूप ओर परिभाषा, आलोचक क गुण, आलाचना की पद्धतियॉ, हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख आलोचना–आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे बाजपेयी, डॉ नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिह

तृतीय प्रश्न पत्र – हिन्दी भाषा, देवनागरी लिपि एव प्रयोजनमूलक हिन्दी– कुल अंक 100

इस प्रश्नपत्र मे तीन खण्ड हागे। अक विभाजन इस प्रकार है–
(क) हिन्दी भाषा = 2 x 20 = 40
(ख) देवनागरी लिपि = 1 x 20 = 20
(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी = 2 x 20 = 20

(क) **हिन्दी भाषा** – हिन्दी का उदभव आर विकास – हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति, उसका अर्थ विकास, हिन्दी भापा का विकास, भापा ओर बोली – हिन्दी की प्रमुख बोलियॉ, हिन्दी के साहित्यिक रूप, हिन्दी शब्द समूह और उसक मूल स्रात।

हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण, हिन्दी भाषा की सामाजिक और सास्कृतिक भूमिका।

(ख) **देवनागरी लिपि** – नामकरण, उद्‌भव और विकास, वेज्ञानिकता, त्रुटियॉ और सुधार के प्रयत्न।

(ग) **प्रयोजनमूलक हिन्दी** – प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय।

पत्राचार – कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र ओर व्यावहारिक पत्र।

पत्रकारिता – पत्रकारिता का स्वरूप और वर्तमान परिदृश्य, समाचार लेखन और शीर्षकीकरण।

प्रमुख जनसचार माध्यम – प्रेस, रेडिया, टी वी एव फिल्म का सक्षिप्त परिचय एव जनसचार म इनकी भूमिका।

अनुवाद – स्वरूप एव प्रक्रिया, कार्यालयी अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद।

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर (वार्षिक पद्धति/प्रणाली)

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र – आधुनिक गद्य – कुल अक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे पाठ्यग्रन्थो को दा भागो मे विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ। प्रश्नपत्र कुल 100 अक का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याए (केवल मूल पाठ से) = 10 x 3 = 30
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 15 x 3 = 45
(ग) पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 5 x 5 = 25
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 600 शब्दो तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दो के होगे)

पाठ्यग्रंथ –

मूल पाठ

(1) नाटक – चन्द्रगुप्त – जयशकर प्रसाद
आषाढ का एक दिन – मोहन राकश

(2) उपन्यास – गादान – प्रेमचन्द
नदी क द्वीप – अज्ञेय

(3) निवन्ध – आचार्य शुक्ल का श्रेष्ठ निवन्ध – स प्रो रामचन्द्र तिवारी
(श्रद्धा–भक्ति, कविता क्या है, काव्य म लोकमगल की साधनावस्था)
हजारी पसाद द्विवेदी सकलित निवन्ध
स नामवर सिह
(अशाक क फूल, कुटज, नाखून क्यो वढत ह, भारत की सास्कृतिक समस्या, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)

(4) कहानी सकलन – कहानी स्तम्भ – स प्रा जनार्दन, डॉ गणश शुक्ल,
(घासवाली – प्रेमचन्द, गुण्डा – प्रसाद, पत्नी – जैनेन्द्र, शरणदाता – अज्ञेय,
परिन्द – निर्मल वर्मा, वाडचू – भीष्म साहनी, आर्दा – मोहन राकेश,
लाल पान की बेगम – फणीश्वर नाथ रेणु, त्रिशकु – मन्नू भण्डारी)

द्रुत पाठ

(1) कहानी – कहानी समकालीन कहानी – स प्रो सुरेन्द्र दुव, डॉ महश मणि
(करवा का व्रत – यशपाल, राजा निरबसिया – कमलेश्वर,
जहॉ लक्ष्मी केद है – राजेन्द्र यादव, धॉसू – गोविन्द मिश्र
अर्धांगिनी – शैलश मटियानी, आखिरी चिट्ठी – रामदरश मिश्र,
परियो का नाच एसा – मृणाल पाण्डेय)

(2) निबन्ध – निवन्ध–सचयन, स डॉ दीपक प्रकाश त्यागी, डॉ राम नारायण त्रिपाठी
(वैष्णवता और भारतवर्ष, जातीय सगीत – भारतन्दु हरिश्चन्द्र, हिन्दी भाषा, लार्ड मिन्टा का स्वागत – वालमुकुन्द गुप्त, आचरण की सभ्यता, सच्ची वीरता–सरदार पूर्ण सिह, तमाल के झराख से, हरसिगार – विद्यानिवास मिश्र, सस्कृति का शषनाग, नीलकठ उदास – कुबेरनाथ राय, भाषा ओर राष्ट्रीय अस्मिता, साहित्य का आत्मसत्य – निर्मल वर्मा)

द्वितीय प्रश्न पत्र – आधुनिक गद्य **– कुल अक 100**

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे तीन खण्ड होगे–

(क) भारतीय काव्यशास्त्र	40	=	2 x 20 = 40
(ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र	40	=	2 x 20 = 40
(ग) हिन्दी समीक्षा	20	=	1 x 20 = 20

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 600 शब्दो तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दो के होगे)

पाठ्यग्रथ –

1 **भारतीय काव्यशास्त्र–**

(क) काव्य के प्रयाजन, लक्षण, स्वरूप और भेद, भारतीय काव्य सम्प्रदाय–रस, रीति, अलकार, वक्रोक्ति, ध्वनि, ओचित्य, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण, शब्द शक्तियॉ, गुण व दोष।

(ख) नाट्य – नाटक के तत्व – वस्तु, नता, रस तथा उसका विवेचन, रूपक, रगशाला

2. **भारतीय काव्यशास्त्र–**

- अरस्तू की काव्य विषयक मान्यताएँ – अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी क तत्व।
- लाजाइनस, टी एस इलिएट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा ओर वेयक्तिक प्रज्ञा
- शास्त्रीयतावाद एव स्वच्छन्दतावाद,
- अभिव्यजनावाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद
- मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र, मनोविश्लषणवाद
- नयी समीक्षा की आधारभूत मान्यताए
- उत्तर आधुनिकता, उत्तर सरचनावाद, विखण्डनवाद

3. **हिन्दी समीक्षा**–

- हिन्दी समीक्षा स्वरूप ओर विकास

  प्रमुख आलोचक – महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलार वाजपयी, डॉ नगेन्द, रामविलास शर्मा, नामवर सिह, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

नोट– भारतीय काव्यशास्त्र से दा प्रश्न पाश्चात्य काव्यशास्त्र स दो प्रश्न एव हिन्दी समीक्षा स एक प्रश्न पूछ जाएँगे।

तृतीय प्रश्न पत्र – लोक साहित्य के सिद्धान्त एवं भोजपुरी साहित्य **– कुल अक 100**

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे तीन खण्ड होगे–

(क) लोक साहित्य (दा आलोचनात्मक प्रश्न)	=	16 x 2 = 32
(ख) भोजपुरी साहित्य (दो आलोचनात्मक प्रश्न)	=	16 x 2 = 32
(ग) पाठ्यग्रथ से व्याख्या (तीन)	=	12 x 3 = 36

पाठ्यक्रम –

खण्ड क–

लोक साहित्य की परिभाषा, महत्व ओर विशेषताएँ, लोक साहित्य और लाक सस्कृति, लोक साहित्य और सामाजिक चेतना, अन्य समाज विज्ञानो स लोक, साहित्य का सम्बन्ध, लाक साहित्य की विभिन्न विधाए – लोकगीत, लोकगाथा, लाकनाटय, लोकमच का स्वरूप और मौलिकता, लोकनाटय

रूढियॉ, हिन्दी नाटक और रगमच पर लोक नाट्यो का प्रभाव, प्रकीर्ण साहित्य – लोकोक्तियॉ और मुहावरे अन्तर और वर्गीकरण।

खण्ड ख–

भोजपुरी क्षेत्र और उसकी आचलिक सस्कृति (ऐतिहासिक, भोगोलिक, सामाजिक, सास्कृतिक परिवेश)

- भोजपुरी साहित्य की विशेषताए।
- भोजपुरी लोक साहित्य – लाकगीत और उनके प्रकार, लोकगाथा, लोक कथा।
- भोजपुरी काव्य परम्परा और प्रमुख कवि।
- भोजपुरी नाटक विदेसिया तथा अन्य नाटय रूपो का अध्ययन।
- भोजपुरी कहानी का विकास।
- समकालीन भोजपुरी लेखन।

खण्ड ग–

पाठ्यग्रन्थ – भोजपुरी साहित्य सचयन, स प्रो चित्तरजन मिश्र, डॉ विमलेश कुमार मिश्र

चतुर्थ प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य **– कुल अक 100**

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे पाठयग्रन्था का दो भागा मे विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ।

(क) तीन व्याख्याए (कवल मूल पाठ स)	=	10 x 3 = 30
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ स)	=	15 x 3 = 45
(ग) पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से)	=	5 x 5 = 25

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्ना क उत्तर लगभग 600 शब्दो म तथा लघु उत्तरीय प्रश्ना के उत्तर लगभग 100 शब्दो क हागे।)

पाठ्यग्रथ –

मूल पाठ–

1 साकेत (नवम सर्ग) – मथिलीशरण गुप्त
2 कामायनी (चिन्ता ओर इडा सर्ग) – जयशकर प्रसाद
3 राग–विराग (राम की शक्तिपूजा, सराजस्मृति) – स रामविलास शर्मा
4 तारापथ (उच्छ्वास, नोकाविहार, छाया, परिवर्तन) – स दूधनाथ सिह
5 नव दर्पण – स प्रा अनन्त मिश्र, डॉ ब्रजभूषण मणि त्रिपाठी

द्रुत पाठ– नया पथ – स प्रो गणश प्रसाद पाण्डेय
प्रो अनिल कुमार राय

पचम प्रश्न पत्र – हिन्दी, सस्कृत एव उर्दू साहित्य का इतिहास **– कुल अक 100**

प्रश्नपत्र का प्रारूप – इस प्रश्न पत्र क तीन खण्ड होगे, जिसका अक विभाजन निम्नाकित है–

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास (तीन प्रश्न)	=	20 x 3 = 60
(ख) सस्कृत साहित्य का इतिहास (एक प्रश्न)	=	20 x 1 = 20
(ग) उर्दू साहित्य का इतिहास (एक प्रश्न)	=	20 x 1 = 20

पाठ्यक्रम–

(क) सम्पूर्ण हिन्दी साहित्य का इतिहास

(ख) सस्कृत साहित्य का इतिहास – उपजीव्य काव्य – रामायण एव महाभारत

सस्कृत महाकाव्यो की परम्परा – रघुवश, कुमारसम्भव, नैषधीचरितम्, शिशुपालवधम्, किरातार्जुनीयम्, सस्कृत नाटका का विकास, भास के नाटक, कालिदास के नाटक (मुख्य रूप से अभिज्ञानशाकुन्तनम्), भवभूति का उत्तररामचरितम्।

सस्कृत गद्य (विशेषत ललित गद्य), बाण और उसकी 'कादम्वरी' – सामान्य परिचय –

क– वैदिक वाडमय, ख– लघुत्रयी, ग– वृहतत्रयी और घ– चम्पू काव्य।

(ग) उर्दू साहित्य का इतिहास –

दक्षिण मे उर्दू कविता का विकास, दिल्ली केन्द्र की उर्दू कविता और प्रमुख कवि (मीर, सौदा, सोज, दर्द, गालिब, मोमिन, जौक, जफर) लखनऊ केन्द्र की उर्दू कविता आर प्रमुख कवि (मुसहफी, ईशा अनीस, दबीर, आतिश) उर्दू के विशिष्ट कवि नजीर अकबराबादी, आधुनिक उर्दू कविता, प्रमुख प्रवृत्तियॉ, प्रमुख कवि मौलाना आजाद हाली, अकवर इलाहाबादी, जाश मलीहाबादी, फैज अहमद फज, फिराक गोरखपुरी, उर्दू गद्य विधाओ का सक्षिप्त इतिहास उपन्यास, कहानी, नाटक ओर आलोचना। उर्दू के प्रमुख काव्य रूप गजल, कसीदा, मरसिया, मसनवी ओर रुबाई।

स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन एव मध्यकालीन काव्य **– कुल अक 100**

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे पाठ्यग्रन्थो का दो भागो मे विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ। प्रश्नपत्र कुल 100 अक का हागा। अक विभाजन इस प्रकार हैं–

(क) तीन व्याख्याए (केवल मूल पाठ स) = 10 x 3 = 30
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 15 x 3 = 45
(ग) पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 5 x 5 = 25
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 600 शब्दा तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दो के होंगे)

पाठ्यग्रंथ –
मूल पाठ–

1 पदमावती समय – चन्दबरदाई
2 निर्गुण काव्य – स प्रो पूर्णिमा सत्यदव, डॉ कशव विहारी त्रिपाठी
3 पद पीयूष – स प्रा रामदरश राय, पो मजु त्रिपाठी
4 आनन्द घन – स प्रो रामदेव शुक्ल

द्रुत पाठ–

प्राचीन एव मध्यकालीन कविता – स डॉ प्रेमव्रत तिवारी, डॉ सूर्यनाथ पाण्डय

द्वितीय प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा और लिपि **– कुल अक 100**

खण्ड क–

भाषा विज्ञान की परिभाषा, भापा विज्ञान ओर भाषा शास्त्र, भापा विज्ञान ओर व्याकरण, भारतीय ओर पाश्चात्य भाषा विज्ञान का इतिहास, आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय (स्कूल), भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाऍ, भापा भूगाल और समाज भाषा विज्ञान, भाषा विज्ञान क अध्ययन की पद्धतियॉ, शब्द अध्ययन, शब्द अध्ययन की पद्धतियॉ, शब्द की परिभाषा शब्द ओर अर्थ का सम्बन्ध, भाषा की परिवर्तनशीलता और उसके कारण, ध्वनि, ध्वनियो की उत्पत्ति और वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन, उसक कारण ओर दिशाऍ, अर्थ–परिवर्तन, उसक कारण और दिशाऍ, पद विज्ञान, शब्द और पद का भेद, पद रचना की पद्धतियॉ, वाक्यविज्ञान परिभाषा वाक्य सरचना ओर वर्गीकरण, लिपि की परिभाषा,

भाषा और लिपि का सम्बन्ध, लिपि की विकास अवस्थाएँ, भारत की प्राचीन लिपियाँ, काव्य भाषा, नाट्य भाषा, कथा भाषा।

खण्ड ख–

हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास, हिन्दी भाषा की वर्तमान स्थिति और उसकी समस्याएँ, हिन्दी ध्वनियो का वर्गीकरण और विकास, हिन्दी भाषा मे प्रयुक्त विदेशी ध्वनियो मे परिवर्तन की प्रवृत्तियाँ, सज्ञा पदो की रचना, परसर्गों का विकास, लिग और वचन, विशेषण, सर्वनाम, क्रिया एव अव्यय पदो की रचना तथा विकास, उपसर्गों तथा प्रत्ययो का उद्‌भव और विकास, हिन्दी का मानकीकरण ओर आधुनिकीकरण, भारतीय भाषाएँ और हिन्दी।

तृतीय प्रश्न पत्र – विशेष अध्ययन (वैकल्पिक) **– कुल अक 100**

निम्नलिखित प्रश्नपत्रो मे से कोई एक प्रश्नपत्र विकल्प के रूप मे चुनना होगा।

1 निर्गुण भक्ति काव्य

अको का विभाजन	–	व्याख्या	12 x 3 = 36
		आलाचनात्मक प्रश्न	16 x 4 = 64

1 कबीर ग्रन्थावली (स श्याम सुन्दर दास), साखी–गुरुदव का अग सुमिरन का अग, विरह को अग, परचा को अग, ज्ञान विरह का अग, निहकर्मी पतिव्रता को अग, वितावणी का अग, माया का अग, निर्गुण का अग, सहजन का अग, सोच का अग, साधु का अग, जीवन मृतक को अग, गुरु शिष्य हेरा का अग, काल का अग, रस को अग, बेली को अग, मधि को अग।

सबद – आरम्भिक 200 पद

रमैनी – आरम्भिक 20 पद

2 जायसी ग्न्थावली (स रामचन्द्र शुक्ल)

पद्‌मावत क निम्नलिखित खण्ड–

स्तुति खण्ड, सिहल दीप वर्णन खण्ड, जन्म खण्ड मानसरोदक खण्ड, नागमती सुआ सवाद खण्ड, नखशिख खण्ड, प्रेम खण्ड, जागी खण्ड, पदमावती वियागी खण्ड, पावती महेश खण्ड, रत्नसेन पद्‌मावती विवाह खण्ड, पदमावती रतनसेन भट खण्ड, पद्‌ऋतु वर्णन खण्ड, नागमती वियाग खण्ड, नागमती सदश खण्ड, चित्तोर आगमन खण्ड, नागमती पद्‌मावती विवाद खण्ड, पद्‌मावती रूप चर्चा खण्ड, बादशाह चढाई खण्ड, चित्तौडगढ वर्णन खण्ड, रतनसेन बधन खण्ड, पद्‌मावती गोरा बादल सवाद खण्ड, गोराबादल युद्ध खण्ड, रतनसेन देवपाल युद्ध खण्ड, पद्‌मावती नागमती सती खण्ड, उपसहार।

2. सगुण भक्ति काव्य

अको का विभाजन	–	व्याख्या	12 x 3 = 36
		आलाचनात्मक प्रश्न	16 x 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 'सूरसागर' के स्थान पर 'सक्षिप्त सूरसागर' (स धीरेन्द वर्मा) निर्धारित किया गया।
2 रामचरित मानस (गीता प्रस) – बालकाण्ड, अयाध्या काण्ड, उत्तर काण्ड।
3 कवितावली (गीताप्रेस)
4 विनय पत्रिका (गीता प्रेस)

3 रीति काव्य

अको का विभाजन – व्याख्या 12 x 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 रसिक प्रिया, कवि प्रिया (केशव दास)
2 बिहारी रत्नाकर – दोहा 201 से 500 तक
3 घनानन्द कवित्त (स आचार्य विश्वनाथ प्रसाद तिवारी) – कवित्त – 1 से 150 तक

4. छायावादी काव्य

अको का विभाजन – व्याख्या 12 x 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 कामायनी – जयशकर प्रसाद
2 परिमल – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – निम्नलिखित कविताए – मौन दूत अलि ऋतु पति के आए, तुम और मै, अलि घिर आए घन पावस के, ध्वनि, अधिवास, विधवा, भिक्षुक, सन्ध्या सुन्दरी, धारा, बादल राग, जुही की कली, जागा फिर एक बार (2) महाराज शिवाजी का पत्र।
3 अपरा – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – निम्नलिखित कविताए – मातृ वन्दना, तोडती पत्थर, हिन्दी के सुमनो के प्रति पत्र, राम की शक्तिपूजा, मे अकला, यमुना के प्रति, गहन है यह अन्धकार, मरण को जिसने वरा है, सरोज स्मृति, स्नेह निर्झर बह गया है, तुलसीदास, अर्चना।
4 पल्लव – सुमित्रानन्दन पन्त
5 यामा – महादेवी वर्मा

5 छायावादोत्तर काव्य

अको का विभाजन – व्याख्या 12 x 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 मरी चुनी हुई रचनाएँ – अज्ञेय
2 प्रतिनिधि कविताएँ – मुक्तिबोध (स डॉ केदारनाथ सिह)
3 टूटी हुई बिखरी हुई – स अशोक वाजपयी
4 प्रतिनिधि कविताएँ – नागार्जुन (स नामवर सिह)
5 आत्महत्या के विरुद्ध – रघुवीर सहाय

6 कथा साहित्य

अको का विभाजन – व्याख्या 12 x 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

रगभूमि (प्रमचन्द), त्याग–पत्र (जैनेन्द्र कुमार), शेखर एक जीवन (अज्ञेय), आधा गॉव (राही मासूम रजा), मैला ऑचल (फणीश्वरनाथ रणु), नाच्यो बहुत गोपाल (अमृतलाल नागर)

कहानी–एक दुनिया समानान्तर (स राजेन्द्र यादव) मे सकलित निम्नलिखित कहानिया के आधार पर केवल आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायगे। जिन्दगी और जोक (अमरकान्त) खोई हुई दिशाएँ

(कमलश्वर), गुल की बन्ना (धर्मवीर भारती), परिन्दे (निर्मल वर्मा), तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम (फणीश्वर नाथ रेणु), चीफ की दावत (भीष्म साहनी), यही सच है (मन्नू भण्डारी), दूध और दवा (मार्कण्डेय), एक और जिन्दगी (मोहन राकेश), टूटना (राजेन्द्र यादव)।

7 हिन्दी नाटक

अको का विभाजन	–	व्याख्या	12 x 3 = 36
		आलोचनात्मक प्रश्न	16 x 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

अधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र), स्कन्दगुप्त (जयशकर प्रसाद), सिदूर की होली (लक्ष्मीनारायण मिश्र), अधायुग (धर्मवीर भारती), आध–अधूरे (मोहन राकेश), मिस्टर अभिमन्यु (लक्ष्मीनारायण लाल), हानूश (भीष्म साहनी)।

8 हिन्दी आलोचना

अका का विभाजन	–	व्याख्या	12 x 3 = 36
		आलोचनात्मक प्रश्न	16 x 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 रस मीमासा (रामचन्द्र शुक्ल)
2 काव्यकला तथा अन्य निबन्ध (जयशकर प्रसाद)
3 नया साहित्य नय प्रश्न (नन्ददुलारे वाजपेयी)
4 कबीर (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
5 परम्परा का मूल्याकन (रामविलास शर्मा)
6 समीक्षा की समस्याये (मुक्तिबाध)

चतुर्थ प्रश्न पत्र – निबन्ध अथवा लघुशोध प्रबन्ध – कुल अक 100

क– निबन्ध

दा निबन्ध लिखने होग –

1	साहित्यिक निबन्ध	– 50 अक
2	समसामयिक विषय पर निबन्ध	– 50 अक

ख– लघु शोध

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग की अनुमति से वे सस्थागत अभ्यर्थी लघु पबन्ध ले सकगे, जिन्होन पथम वर्ष की परीक्षा 60 प्रतिशत अको के साथ उत्तीर्ण की हो।

पचम प्रश्न पत्र – मौखिकी – कुल अक 100